भा.कृ.अनु.प.- केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान
वर्सोवा, मुंबई – 400061

प्रेस विज्ञप्ति

भा.कृ.अनु.प.-केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान में हिंदी चेतना मास का शुभारंभ

भा.कृ.अनु.प.-केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई में दिनांक 02 सितंबर 2024 को हिंदी चेतना मास का शुभारंभ मुंबई विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर करुणाशंकर उपाध्याय ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक व कुलपति डॉ. रविशंकर सी.एन. ने की।

मुख्य अतिथि ने कहा कि भारत देश की चारों सीमाओं में हिंदी है। भारत में 82% लोग हिंदी जानते हैं। विभिन्न तथ्यों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि आने वाले 25 वर्ष हिंदी की होगी। विश्व के कई देशों में हिंदी पहले से अधिक प्रचलित है। अमेरिका, जापान, कानडा, फिजी जैसे देशों में पहले से ही हिंदी मौजूद है। इसके अतिरिक्त खाड़ी देशों में हिंदी एक संपर्क भाषा के रूप में उभरी है। भारत के बाहर लगभग 28,000 से अधिक शिक्षण संस्थान है, जो हिंदी सिखाते हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ के ट्विटर एकाउण्ट में हिंदी भी है। वर्तमान डिजिटल क्रांति के दौर में हिंदी का सबसे तेज़ी से विकास हो रहा है। इंटरनेट में हिंदी 96% की दर से बढ़ रही है। लगभग 145 करोड़ लोग हिंदी बोल और समझ सकते हैं। हीब्रू भाषा का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी देश के विकास का स्वभाषा से बहुत गहरा संबंध है। वर्तमान में सरकारी स्तर पर हिंदी का प्रचार-प्रसार अद्वितीय रूप से बढ़ा है। इसका प्रमाण है प्रधान मंत्री कार्यालय सहित कई मंत्रालयों में कार्यालयीन कार्यों में हिंदी का बढ़ता प्रयोग। नई शिक्षा नीति हिंदी के भविष्य को और अधिक प्रोज्वल करेगी।

निदेशक व कुलपति डॉ. रविशंकर ने कहा कि हिंदी भाषा बोलने या इसमें काम करने में कोई हिचकिचाहट नहीं होनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि हिंदी केंद्र सरकार की राजभाषा होने के कारण हिंदी में काम करना हमारा कर्तव्य है। राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार की दिशा में संस्थान कई सफल कदम उठा रहा है। भारत के विकास में हिंदी की महत्वपूर्ण भूमिका है।

इस अवसर पर संस्थान के संयुक्त निदेशक डॉ. एन.पी. साहू ने कहा कि विश्व में कई ऐसे देश है जिन्होंने अपनी भाषा के माध्यम से देश की उत्तरोत्तर प्रगति की है। भारत में भी यह संभव है। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि राजभाषा हिंदी को बढ़ावा देने के अपना-अपना योगदान दें।

संस्थान के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (वरिष्ठ श्रेणी) ने कहा कि सिर्फ़ हिंदी चेतना मास के दौरान ही नहीं, वर्ष भर हिंदी में कार्य करें।

श्री प्रताप कुमार दास, मुख्य तकनीकी अधिकारी ने राजभाषा हिंदी का प्रगति प्रतिवेदन और हिंदी चेतना मास की भूमिका प्रस्तुत की।

इस अवसर पर संस्थान द्वारा प्रकाशित राजभाषा पत्रिका 'जलचरी' के 30वें अंक का विमोचन भी किया गया।

कार्यक्रम में श्री जगदीशन ए.के., संयुक्त निदेशक (राजभाषा) ने अतिथियों का स्वागत किया और श्रीमती रेखा नायर ने आभार व्यक्त किया।

ICAR-Central Institute of Fisheries Education
Versova, Mumbai – 400061

Press Release

Inauguration of Hindi Chetna Maas at ICAR-Central Institute of Fisheries Education

Hindi Chetna Maas was inaugurated at ICAR-Central Institute of Fisheries Education, Mumbai on 02 September 2024 by lighting the lamp by Professor Karunashankar Upadhyay, Head of Hindi Department, University of Mumbai. Dr. Ravishankar, C.N., Director and Vice Chancellor presided over the function.

The Chief Guest said that Hindi is present in all the four borders of India. 82% people in India know Hindi. Mentioning various facts, he said that the coming 25 years Hindi will progress across the globe. Hindi is more popular than before in many countries of the world and it is already present in countries like America, Japan, Canada, Fiji. Apart from this, Hindi has emerged as a link language in the Gulf countries. There are more than 28,000 educational institutions outside India that teach Hindi. Hindi is also on the Twitter account of the United Nations. In the current era of digital revolution, Hindi is growing in a fastest way. Hindi is growing at the rate of 96% on the Internet. About 145 crore people can speak and understand Hindi. Giving the example of Hebrew language, he said that the development of any country is very deeply related to its mother tongue. At present, the promotion of Hindi at the government level has increased uniquely. This can be seen in the official work in many ministries including the Prime Minister's Office. The new education policy will further brighten the future of Hindi.

The Director and Vice Chancellor Dr. Ravishankar said that there should be no hesitation in speaking or working in Hindi language. He further said that since Hindi is the official language of the Central Government, it is our duty to work in Hindi. The Institute is taking many successful steps towards the promotion of Official Language Hindi. Hindi has an important role in the development of India.

On this occasion, Joint Director of the Institute, Dr. N.P. Sahu said that there are many countries in the world which have made continuous progress through their language. This is possible in India too. He urged everyone to contribute in promoting Official Language Hindi.

The Chief Administrative Officer (SG) said that all staff members should work in Hindi throughout the year, not only during Hindi Chetna Maas.

Shri Pratap Kumar Das, Chief Technical Officer presented the progress report of Official Language Hindi and also the activities being carried out during Hindi Chetna Maas.

On this occasion, the Vol. 30 of 'Jalchari', the Official Language magazine of the institute was also released.

Shri Jagadeesan A.K., Joint Director (OL) welcomed the guests and Mrs. Rekha Nair expressed vote of thanks.

हिंदी चेतना मास के शुभारंभ समारोह की झलकियाँ